45 वर्ष के हुए शाहिद कपूर

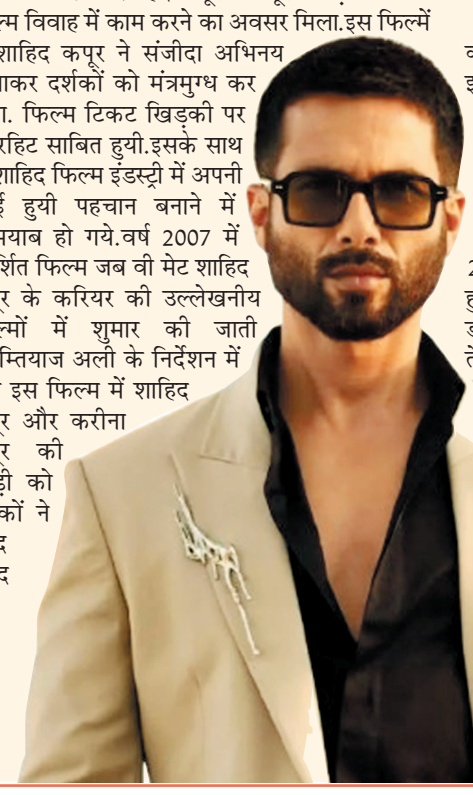

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता शाहिद कपूर आज 45 वर्ष के हो गये. 25 फरवरी 1981 को दिल्ली में जन्में शाहिद कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली.शाहिद कपूर के पिता पंकज कपूर जाने-माने अभिनेता है.शाहिद कपूर ने अपने करियर की शुरूआत विज्ञापन फिल्मों से की.बतौर अभिनेता शाहिद कपूर ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म इश्क विश्क से की. फिल्म को टिकट खिड़की पर औसत सफलता मिली.इस फिल्म के लिये शाहिद कपूर फिल्म फेयर की ओर से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के डेब्यू पुरस्कार से सम्मानित किये गये.इश्क विश्क के बाद शाहिद कपूर ने फिदा,दिल मांगे मोर,दीवाने हुये पागल,वाह लाइफ हो तो ऐसी,शिखर,36 चाइना टाउन,चुप चुप के जैसी कुछ फिल्मों में काम किया लेकिन सभी फिल्में टिकट खिड़की पर ढ़ेर हो गयी.

वर्ष 2006 में शाहिद कपूर को सूरज बड़जात्या की फिल्म विवाह में काम करने का अवसर मिला.इस फिल्में में शाहिद कपूर ने संजीदा अभिनय निभाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी.इसके साथ ही शाहिद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खोई हुयी पहचान बनाने में कामयाब हो गये.वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म जब वी मेट शाहिद कपूर के करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शुमार की जाती है.इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शाहिद कपूर और करीना कपूर की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया.जब वी मेट टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी.इस फिल्म के लिये शाहिद कपूर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित किये गये.

वर्ष 2009 में प्रदर्शित फिल्म कमीने शाहिद कपूर के करियर के लिये एक और महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी. इस फिल्म में शाहिद कपूर ने दोहरी भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया.इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ शाहिद कपूर की जोड़ी दर्शको के बीच काफी सराही गयी.फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये शाहिद कपूर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित किये गये.वर्ष 2010 से वर्ष 2012 का करियर शाहिद कपूर के लिये बुरा साबित हुआ.इस दौरान शाहिद कपूर ने दिल बोले हड़िप्पा,चांस पे डांस,पाठशाला,बदमाश कंपनी,मिलेंगे मिलेगें,मौसम और तेरी मेरी कहानी जैसी फिल्मों में काम किया लेकिन इनमें से कोई फिल्म टिकट खिड़की पर सफल नही रही हालांकि मौसम में शाहिद कपूर के अभिनय को दर्शको ने अवश्य पसंद किया.

वर्ष 2013 में शाहिद कपूर की फटा पोस्टर निकला हीरो और आर.राजकुमार प्रदर्शित हुयी.प्रभुदेवा के निर्देशन में बनी फिल्म आर.राजकुमार को टिकट खिड़की पर औसत सफलता मिली है.

प्रधानमंत्री मोदी ने विजय और रश्मिका को दी शादी की बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विवाह के बंधन में बंधने जा रहे, पुष्पा और एनिमल फिल्म फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और दक्षिण भारत के सुपरस्टार देवरकोंडा और उनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं भेजी हैं. देवरकोंडा की एक निजी टीम ने प्रधानमंत्री का यह बधाई संदेश साझा किया है.

विजय के माता-पिता, माधवी और गोवर्धन राव को संबोधित संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'विजय और रश्मिका के विवाह समारोह में आमंत्रित करने के लिए आपका धन्यवाद. देवरकोंडा और मंदाना परिवारों को इस खुशी के अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई.' प्रधानमंत्री ने 'सखा सप्तपदा भव' के भाव का उल्लेख करते हुए कहा कि सात फेरों के साथ जोड़ा जीवन भर के लिए एक-दूसरे का मित्र बन जाता है.

शानदार 4 साल : आलिया का यादगार किरदार गंगूबाई

वर्ष 2022 में, जब हिंदी फिल्म इंडस्ट्री अभी भी कोविड महामारी के बाद के असर से जूझ रही थी और थिएटर दर्शकों को वापस खींचने के लिए संघर्ष कर रहे थे, संजय लीला भंसाली ने गंगूबाई काठियावाड़ी के साथ एक टर्निंग पॉइंट दिया. यह फिल्म कोविड-19 के बाद थिएटर बिजनेस को फिर से शुरू करने में एक अहम कैटलिस्ट के तौर पर उभरी. अनिश्चितता के समय में, इसने दर्शकों को सिनेमाघरों तक सफलतापूर्वक खींचा, बड़े पर्दे के अनुभव में भरोसा वापस लाया और यह साबित किया कि ज़बरदस्त कहानी अभी भी लोगों को खींच सकती है.

यह फिल्म काठियावाड़ की एक युवा महिला के सफर को दिखाती है, जिसे धोखा दिया जाता है और प्रॉस्टिट्यूशन में धकेल दिया जाता है, और फिर वह मुंबई के रेड-लाइट डिस्ट्रिक्ट में एक ताकतवर और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरती है. हालांकि कहानी खुद दिलचस्प थी, लेकिन यह भंसाली का दमदार डायरेक्शन और आलिया भट्ट की ट्रांसफॉर्मेटिव परफॉर्मेंस थी जिसने कहानी को सिनेमाई जीत तक पहुंचाया. इस फ़िल्म में हिम्मत और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों को दिखाया गया, और मेनस्ट्रीम सिनेमा में अक्सर अनसुनी आवाज़ों पर रोशनी डाली गई.

शानदार म्यूज़िक और शानदार विज़ुअल्स के साथ शानदार सेट पर बनी इस फ़िल्म ने भंसाली के शानदार और दमदार अभिनय को दिखाने का हुनर दिखाया. इसकी क्रिटिकल और कमर्शियल सफलता कई सम्मानों में दिखी, जिसमें 69वें नेशनल फ़िल्म अवॉर्ड्स में पहचान भी शामिल है. दुनिया भर में 209 करोड़ से ज़्यादा की कमाई करके, यह 2022 की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फ़िल्मों में से एक बन गई. सालों बाद भी, गंगूबाई काठियावाड़ी एक बड़ी कामयाबी है जिसने भारतीय सिनेमा के थिएटर के जादू में भरोसा फिर से पक्का किया.

शाह निवास में लीला की तूफानी वापसी

टीवी जगत का लोकप्रिय शो अनुपमा इन दिनों जबरदस्त ट्विस्ट से भरा हुआ है. 25 फरवरी के एपिसोड में कहानी ऐसा मोड़ लेती है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी. एक तरफ शाह निवास में लालच और विरासत की जंग छिड़ती दिखाई देगी, तो दूसरी तरफ कोठारी मेंशन में बिजनेस की दुनिया हिल जाएगी. तोषू और पाखी जहां अपने ही दादा-दादी की संपत्ति पर नजर गड़ाए बैठे हैं, वहीं लीला की एंट्री सब कुछ बदल देगी. उधर पराग कोठारी पर नकली हीरे बेचने का आरोप लगते ही परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर लग जाएगी. सबसे चौंकाने वाली बात यह होगी कि इस पूरे खेल के पीछे कोई और नहीं बल्कि गौतम गांधी का दिमाग काम कर रहा है. रिश्तों, लालच, विश्वासघात और साजिशों से भरा यह एपिसोड दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखने वाला है.

बेटी की खुशी के लिए पुष्पा ने थामा अनु का हाथ

मोहित से रिश्ता टूटने के बाद अनु पूरी तरह टूट चुकी थी, लेकिन उसके दिल में आर्य के लिए भावनाएं अब भी जिंदा हैं. पुष्पा अपनी बेटी की आंखों में छिपा प्यार पढ़ लेती है और समझ जाती है कि जब तक आर्य उसकी जिंदगी में नहीं आएगा, तब तक अनु सच में खुश नहीं रह पाएगी. इसलिए वह आर्य को बुलाकर साफ कहती है कि अगर उसे अनु से सच में प्यार है, तो अब पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता. पहले तो आर्य थोड़ा हिचकिचाता है. उसे पता है कि गोपाल को मनाना आसान नहीं होगा. लेकिन फिर वह खुद से वादा करता है कि इस बार वह अपने प्यार के लिए डटकर खड़ा रहेगा. इसी सोच के साथ वह सीधे गोपाल के घर पहुंच जाता है. वहां वह बिना घुमाए-फिराए साफ कहता है, 'लोगों को लड़की को मनाने में दिक्कत होती है, मुझे तो लड़की के पिता को मनाना पड़ रहा है. लेकिन शादी करूंगा तो सिर्फ अनु से.'

क्या मिहिर के सामने खुल जाएगा वृंदा का राज?

टेलीविजन के सबसे चर्चित पारिवारिक ड्रामों में शुमार क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में इन दिनों रहस्यों और टकराव की आंधी चल रही है. वीरानी हाउस के हर कोने में कोई न कोई राज दफन है, जो कभी भी बाहर आ सकता है. नोयोना अपने छिपे हुए सच के उजागर होने के डर में जी रही है, तो वहीं रणविजय एक ऐसे खुलासे की तैयारी में है जो पूरे परिवार को हिला सकता है. कहानी का केंद्र अब वृंदा बन चुकी है, जो मास्क के पीछे अपनी पहचान छिपाए हुए है. लेकिन क्या उसकी सच्चाई ज्यादा दिन छिप पाएगी? जब मिहिर के सामने सवालों की बौछार होगी और रणविजय तमाशा खड़ा करेगा, तब रिश्तों की नींव हिलती नजर आएगी.

अक्षय के फैसले को याद कर भावुक हुए गोविंद नामदेव

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता गोविंद नामदेवने बताया कि फिल्म ओ माय गॉड!की शूटिंग के दौरान स्टार और स्पॉट बॉय कोई भेदभाव नहीं था. बॉलीवुड में स्टार सिस्टम को लेकर अक्सर चर्चा होती रही है. वरिष्ठ अभिनेता गोविंद नामदेव ने हाल ही में एक बातचीत में इंडस्ट्री के इसी सिस्टम पर खुलकर बात की. उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में बड़े और छोटे स्टार के बीच फर्क साफ तौर पर दिखाई देता है. चाहे वह सैलरी हो, वैनिटी वैन हो या फिर सेट पर मिलने वाला खाना.

गोविंद नामदेव ने कहा, 'इंडस्ट्री में एक बड़ा-छोटा स्टार सिस्टम है. लोग अपने स्टेटस के हिसाब से ट्रीटमेंट पाते हैं. जिसे ज्यादा पैसे मिलते हैं, उसे बड़ी वैनिटी वैन मिलती है. सेट पर खाने में भी फर्क होता है. स्टार्स के लिए अलग खाना बनता है और बाकी लोगों के लिए अलग.' हालांकि, उन्होंने बताया कि फिल्म ओ माय गॉड ! की शूटिंग के दौरान उन्हें एक अलग माहौल देखने को मिला. उनके अनुसार, इस फिल्म के दौरान अक्षय कुमार ने निर्देशक उमेश शुक्ला के साथ मिलकर एक अहम फैसला लिया.

गोविंद नामदेव ने बताया , अक्षय कुमार और उमेश शुक्ला ने तय किया कि सेट पर सभी कलाकार और क्रू मेंबर्स एक जैसा खाना खाएंगे. कोई वीआईपी मेन्यू नहीं होगा. अगर किसी को खानपान में विशेष परहेज है, तो वह अलग बात है, लेकिन स्टार्स के लिए अलग व्यवस्था नहीं की जाएगी.उन्होंने कहा, 'उस समय सेट का माहौल बिल्कुल अलग था. सब एक साथ बैठकर खाते थे. कोई भेदभाव नहीं था.' गोविंद नामदेव के इस बयान ने एक बार फिर बॉलीवुड के स्टार सिस्टम पर चर्चा छेड़ दी है. जहां इंडस्ट्री में अक्सर अलग-अलग सुविधाओं को लेकर भेदभाव की बातें सामने आती हैं, वहीं 'ओह माय गॉड!'

'लव एंड वॉर' से बढ़ी फैंस की उत्सुकता

बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' के जरिये कुछ खास करने की कोशिश कर रहे हैं संजय लीला भंसाली को भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन और विजनरी डायरेक्टर्स में से एक माना जाता है. वह अपनी फिल्मों की भव्यता और कहानी कहने के अंदाज़ से इंडियन फिल्मों को ग्लोबल लेवल पर ले जाने के लिए जाने जाते हैं. कई सुपरहिट क्लासिक फिल्में देने के बाद, अब वह अपने करियर के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक, 'लव एंड वॉर' की तैयारी कर रहे हैं. इस ग्रैंड हिस्टोरिकल ड्रामा में पहली बार बॉलीवुड के बड़े सितारे आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल एक साथ लीड रोल में नजर आएंगे.

दर्शक इस फिल्म की थिएटर रिलीज का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि अपने जन्मदिन पर भी भंसाली ने सेट पर ही रहना पसंद किया और पूरी तरह 'लव एंड वॉर' के काम में डूबे रहे. अपने जन्मदिन पर काम करने को लेकर उन्होंने कहा, 'काम ही वो चीज है जिससे मेरी पहचान बनती है. जब मेरे पास काम नहीं होता, तो मुझे खुद की कोई वैल्यू महसूस नहीं होती. एक आर्टिस्ट के तौर पर अब मैं पहले से ज्यादा निडर हो गया हूँ और रिस्क लेने के लिए तैयार हूँ.

नेपाली फिल्म के सुपरस्टार हैं डैनी

बॉलीवुड के जाने-माने चरित्र अभिनेता डैनी आज 78 वर्ष के हो गये. 25 फरवरी 1948 को जन्में डैनी बचपन के दिनों में सेना मे काम करना चाहते थे. डैनी ने पश्चिम बंगाल से सर्वश्रेष्ठ कैडेट का पुरस्कार जीता और गणतंत्र दिवस के मौके पर परेड में भाग भी लिया. बाद में देश के प्रतिष्ठित आर्म फोर्सेज मेडिकल कॉलेज पुणे में उनका चयन भी हो गया लेकिन उन दिनों उनका मन चिकित्सक बनने की बजाय किसी अभिनेता बनने की ओर हो गया और उन्होने पुणे फिल्म इंस्टीच्यूट में अभिनय के प्रशिक्षण के लिये दाखिला ले लिया. अभिनय का प्रशिक्षण लेने के बाद डैनी ने अपने सिने कैरियर की शुरूआत नेपाली फिल्म सलिनो से की जो टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई. इस बीच उन्होंने नेपाली फिल्मों के लिए पार्श्वगायन भी किया.

सत्तर के दशक में अभिनेता बनने का सपना लिए डैनी मुंबई आ गए. अपने वजूद को तलाशते वह लगभग तीन वर्ष तक संघर्ष करते रहे.इस बीच उन्होंने रॉखी और हथकड़ी, मिलाप, जरूरत, नया नशा, नई दुनिया नए लोग, चालाक और खून-खून जैसी कई बी ग्रेड फिल्मों में काम किया लेकिन ये सभी टिकट खिड़की पर असफल साबित हुई.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

वनप्लस नॉर्ड 6 समेत 5 नए उत्पाद जल्द होंगे लॉन्च

वनप्लस सबसे पहले भारत में नॉर्ड 6 स्मार्टफोन लॉन्च करेगी. यह मॉडल चीन में पेश किए गए टर्बो 6 का नया संस्करण हो सकता है. प्रोसेसर की बात करें तो इसमें क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8एस जेनरेशन 4 चिपसेट दिया जा सकता है, जो तेज गति और बेहतर प्रदर्शन के लिए जाना जाता है. इससे पहले कंपनी ने नॉर्ड 5 को स्नैपड्रैगन 8एस जेनरेशन 3 के साथ उतारा था.

संभावित खूबियों की बात करें तो नॉर्ड 6 में 6.78 इंच का एमोलेड डिस्प्ले मिल सकता है, जिसमें 165 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट दिया जाएगा. यह उच्च रिफ्रेश रेट गेमिंग और स्क्रॉलिंग अनुभव को बेहद स्मूद बना सकता है. बैटरी क्षमता इस बार सबसे बड़ी खासियत हो सकती है. रिपोर्ट्स के अनुसार इसमें 9,000 एमएएच तक की बड़ी बैटरी दी जा सकती है. हालांकि भारत में यह बैटरी 6,800 एमएएच तक सीमित भी हो सकती है. कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा और 2 मेगापिक्सल का सहायक कैमरा मिलने की संभावना है. वहीं सामने की ओर 16 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया जा सकता है. सुरक्षा और मजबूती के लिहाज से यह फोन आईपी66, आईपी68, आईपी69 और आईपी69के रेटिंग के साथ आ सकता है, जिससे यह धूल और पानी से सुरक्षित रहेगा.

नॉर्ड 6 के अलावा कंपनी एक नया प्रीमियम टैबलेट और बड्स प्रो भी लॉन्च करेगी. साथ ही 15एस मॉडल और एक बजट स्मार्टफोन भी पाइपलाइन में बताया जा रहा है. इससे साफ है कि वनप्लस इस साल हर वर्ग के ग्राहकों को ध्यान में रखकर रणनीति बना रही है. अगर ये सभी उत्पाद तय समय पर लॉन्च होते हैं, तो भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा और भी तेज हो सकती है. वनप्लस अपने उन्नत विनिर्देश, आकर्षक डिजाइन और बड़ी बैटरी के दम पर एक बार फिर बाजार में मजबूत पकड़ बनाने की तैयारी में है.

शरीर के भीतर क्वांटम क्रांति

अब प्रोटीन बनेंगे 'जीवित' सेंसर

जब कोई फ्लोरोसेंट प्रोटीन प्रकाश को अवशोषित करता है, तो उसका एक इलेक्ट्रॉन उच्च ऊर्जा अवस्था में चला जाता है और फिर वापस लौटते समय प्रकाश उत्सर्जित करता है. यही प्रक्रिया उसे चमकने योग्य बनाती है. लेकिन कुछ विशेष प्रोटीनों में यह प्रक्रिया अधिक जटिल होती है. उत्तेजित इलेक्ट्रॉन पास के अणु के साथ मिलकर 'रेडिकल पेयर' बनाता है, जिसमें दो अनपेयर इलेक्ट्रॉन होते हैं. इन इलेक्ट्रॉनों का स्पिन आसपास के सूक्ष्म चुंबकीय प्रभावों से प्रभावित हो सकता है, जिससे उत्सर्जित रोशनी की तीव्रता बदल जाती है.

हालिया अध्ययनों में वैज्ञानिकों ने एन्हांस्ड येलो फ्लोरोसेंट प्रोटीन और पौधों से प्रेरित मैग्नेटो-सेंसिटिव प्रोटीन जैसे रूपों में बदलाव कर यह दिखाया कि ये कोशिकाओं के भीतर चुंबकीय अनुनाद संकेत दर्ज कर सकते हैं. विशेष लेजर पल्स और माइक्रोवेव फील्ड के जरिए इलेक्ट्रॉन स्पिन को नियंत्रित और पढ़ा गया—जो किसी क्वांटम बिटकी मूलभूत शर्त है. आश्चर्यजनक रूप से ये प्रभाव मानव कोशिकाओं और बैक्टीरिया दोनों में देखे गए, यहां तक कि कमरे के तापमान पर भी.

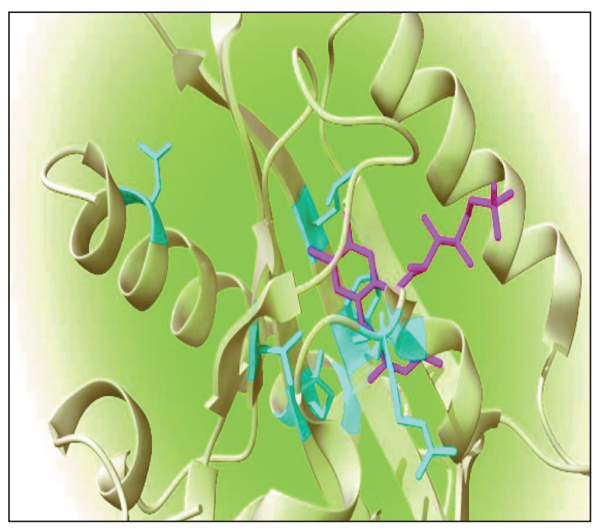

इस खोज का महत्व इसलिए भी है क्योंकि मौजूदा क्वांटम सेंसर अक्सर हीरे जैसे ठोस पदार्थों पर आधारित होते हैं, जिन्हें कोशिकाओं के भीतर पहुंचाना कठिन होता है. इसके विपरीत, प्रोटीन-आधारित सेंसर को डीएनए के जरिए सीधे कोशिकाओं में व्यक्त कराया जा सकता है और अन्य प्रोटीनों से जोड़कर विशिष्ट स्थानों पर स्थापित किया जा सकता है.

भविष्य में ऐसे सेंसर कोशिकाओं के भीतर तापमान, चुंबकीय क्षेत्र, इलेक्ट्रॉन ट्रांसफर और रासायनिक प्रतिक्रियाओं को नैनो-स्तर पर मापने में सक्षम हो सकते हैं. हालांकि अभी संवेदनशीलता और स्थायित्व जैसी चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन जैसे फ्लोरोसेंट प्रोटीन दशकों में परिपक्व हुए, वैसे ही यह तकनीक भी समय के साथ वैज्ञानिक अनुसंधान का अभिन्न हिस्सा बन सकती है.

वैज्ञानिकों ने बनाया खुद की नकल करने वाला आरएनए

जीवन के उद्गम की खोज में वैज्ञानिक लंबे समय से 'आरएनए विश्व' परिकल्पना पर विचार कर रहे हैं. 1980 के दशक में पता चला कि आरएनए केवल आनुवंशिक जानकारी ही नहीं रखता, बल्कि रासायनिक क्रियाएं भी कर सकता है. इससे यह संभावना मजबूत हुई कि प्रारंभिक पृथ्वी पर आरएनए ही पहला आनुवंशिक अणु रहा होगा. लेकिन एक बड़ी समस्या थी—अब तक ऐसा आरएनए नहीं मिला था जो अपनी ही जानकारी की पूरी और स्वतंत्र नकल कर सके.

हालिया शोध में वैज्ञानिकों ने क्यूटी45 नामक 45 न्यूक्लियोटाइड लंबा आरएनए अणु तैयार किया, जो खुद की प्रतिलिपि बना सकता है. यह उपलब्धि आसान नहीं थी. शोधकर्ताओं ने लाखों आरएनए अनुक्रमों की जांच की और बार-बार चयन की प्रक्रिया अपनाई, जब तक कि उन्हें ऐसा अनुक्रम नहीं मिला जिसमें स्व-प्रतिकृति के संकेत दिखे. क्यूटी45 पहले अपने पूरक श्रृंखला का निर्माण करता है और फिर उसी को आधार बनाकर मूल अनुक्रम की पुनर्रचना करता है. हालांकि यह प्रक्रिया अत्यंत धीमी है—एक पूरी प्रतिलिपि बनाने में कई सप्ताह लग सकते हैं—फिर भी इसका महत्व कम नहीं होता.

यूट्यूब लाइट फीचर्स : अब देखें वीडियो बिना रुकावट

यूट्यूब ने अपने ऑफिशियल बयान में बताया कि प्रीमियम लाइट यूजर्स अब नए फीचर्स का लाभ उठा सकते हैं. सबसे पहले बैकग्राउंड प्ले की सुविधा दी गई है. इसका मतलब यह है कि अब वीडियो रुकेंगे नहीं, भले ही आप स्क्रीन लॉक करें या एप को मिनिमाइज कर दें. पॉडकास्ट और इंटरव्यू सुनने वाले यूजर्स के लिए यह एक बड़ा प्लस पॉइंट है.

दूसरा फीचर है ऑफलाइन डाउनलोड. अब लाइट प्लान के सब्सक्राइबर अपने पसंदीदा वीडियो को डाउनलोड करके बिना इंटरनेट कनेक्शन के देख पाएंगे. यह सुविधा ट्रेवलिंग या कम इंटरनेट स्पीड वाले क्षेत्रों में बेहद फायदेमंद साबित होगी. इसके अलावा, प्लान के वीडियो अनुभव को प्रीमियम जैसा बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया गया है. हालांकि यूट्यूब और म्यूजिक वीडियो के लिए अब भी फुल यूट्यूब प्रीमियम प्लान की जरूरत है. लेकिन प्लान की कीमत ?89/माह के साथ यह बदलाव इसे बहुत किफायती और यूजर्स के लिए आकर्षक विकल्प बनाते हैं.

इस बदलाव के बाद यूट्यूब लाइट प्लान का विकल्प चुनना अब और भी समझदारी भरा साबित होगा. यूजर्स को प्रीमियम सुविधाओं का लाभ कम खर्च में मिलेगा और उन्हें वीडियो देखने का अनुभव पहले से ज्यादा स्मूद और फ्लॉलेस लगेगा.

तुलना के लिए, रेगुलर प्रीमियम प्लान की कीमत ?149/माह है, जिसमें सभी वीडियो बिना विज्ञापन, यूट्यूब, बैकग्राउंड प्ले और डाउनलोड की सुविधा मिलती है. यूट्यूब के इस कदम से लाइट प्लान पहले से कहीं ज्यादा उपयोगी हो गया है.